शरवणभव मंत्राक्षर षट्कं

शरवणभव मंत्राक्षर षट्कं

शक्तिस्वरूपाय शरोद्भवाय
शक्रार्चितायाथ शचीस्तुताय |
शमाय शंभुप्रणवार्थदाय
शकाररूपाय नमो गुहाय || 1 ||

रणन्मणिप्रोज्ज्वलमेखलाय
रमासनाथप्रणवार्थदाय |
रतीशपूज्याय रविप्रभाय
रकाररूपाय नमो गुहाय || 2 ||

वराय वर्णाश्रमरक्षकाय
वरत्रिशूलाभयमंडिताय |
वलारिकन्यासुकृतालयाय
वकाररूपाय नमो गुहाय || 3 ||

नगेंद्रकन्येश्वरतत्त्वदाय
नगाधिरूढाय नगार्चिताय |
नगासुरघ्नाय नगालयाय
नकाररूपाय नमो गुहाय || 4 ||

भवाय भर्गाय भवात्मजाय
भस्मायमानाद्भुतविग्रहाय |
भक्तेष्टकामप्रदकल्पकाय
भकाररूपाय नमो गुहाय || 5 ||

वल्लीवलारातिसुतार्चिताय
वरांगरागांचितविग्रहाय |
वल्लीकरांभोरुहमर्दिताय
वकाररूपाय नमो गुहाय || 6 ||

इति श्रीशरवणभवमंत्राक्षरषट्कं |